महत्वपूर्ण एवं खास

डायल 112 ने सर्पदंश पीड़ित महिला को पहुंचाया अस्पताल

कोरबा। एक बार फिर जिला कोरबा पुलिस ने 65 वर्षीय बुजुर्ग महिला को अस्पताल पहुंचाकर मानवता का परिचय दिया है, जहाँ थाना बांगो अंतर्गत संचालित डायल 112 में तैनात आरक्षक व सहयोगी द्वारा कड़े प्रयास कर एक किलोमीटर दुर्गम रास्ते पर पैदल चलकर व पानी प्रवाहित नाले को पार कर महिला को सुरक्षित रूप से स्वास्थ्य केंद्र पहुँचाया है। जानकारी अनुसार डांगीआमा शिवपुर निवासी एक बुजुर्ग महिला को जहरीले सांप ने काट लिया था, जिसकी सूचना बांगो कोबरा डायल 112 को मिली थी, जहाँ तत्काल इवेंट के आधार पर डायल 112 में तैनात आरक्षक व टीम ने रवानगी की और कड़े प्रयास कर महिला को सुरक्षित अस्पताल पहुँचाया। जहां सर्पदंश पीड़ित महिला का उपचार जारी है।

दिन में निजात अभियान, रात्रि में जाम हटाने में जुटी ट्रैफिक पुलिस

कोरबा। एसपी संतोष सिंह के द्वारा चलाए गए नशामुक्ति जागरूकता अभियान निजात के माध्यम से यातयात पुलिस एक ओर जहां हाट बाजारों, चौक-चौराहों एवं साप्ताहिक बाजारों में पहुंचकर लोगों को जागरूकता संदेश के माध्यम से जागरूक करने में जुटी हुई है। वहीं दूसरी ओर एसपी सिंह के मार्गदर्शन एवं डीएसपी शिवचरण सिंह परिहार के निर्देशन में कोरबा शहर क्षेत्र में रात्रि के समय आरक्षक से लेकर प्रधान आरक्षक तक जहां अपने.अपने ड्यूटी प्वाइंट पर भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों से जाम हटाने में लगे देखे जा रहे हैं। हालत तो यह है कि अब एसपी के आदेश एवं सुर्खियों की खबर के असर से ट्रैफिक पुलिस के दरोगा भी जाम हटाते देखे जा रहे हैं।

अलग-अलग कारणों से पांच ने गंवाई जान

महासमुंद (आरएनएस)। जिले में बुधवार को तेन्दूकोना, बसना, महासमुंद, कोमाखान और बागबाहरा में अलग-अलग कारणों से पांच लोगों ने अपनी जान गंवा दी। पुलिस ने सभी मामलो में मर्ग कायम कर जांच में लिया है। पुलिस के अनुसार तेन्दूकोना थाना क्षेत्र के ग्राम डोकरपाली निवासी लाल बहादुर दीवान (48) खेत में दवा छिडक़ाव करने गया था जहां उन्हें मिर्गी का दौरा पड़ा जिससे उनकी मौत हो गई। बसना थाना क्षेत्र के ग्राम छिर्राचुआं निवासी नरेश डड़सेना (38) को किसी जहरीले जीव ने काट लिया। उपचार के लिए उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। कोतवाली थाना क्षेत्र के गंजपारा निवासी बादल बेहरा (36) तुमगांव मार्ग में ग्राम कौंदकेरा के पास सडक़ हादसे का शिकार हो गया। उपचार के लिए उन्हें मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कोमाखान थाना क्षेत्र के ग्राम पलसापानी निवासी मानसिंह यादव (17) ने गांव के गोड़धोबा खार स्थित आम पेड़ पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इधर, बागबाहरा थाना क्षेत्र के लालपुर खार में सोनदार निवासी समारू राम बंजारे (60) मृत अवस्था में मिला।

पीडब्ल्यू डी विभाग में पदस्थ महिला के साथ सहकर्मी ने किया रेप

रायपुर (आरएनएस)। राजधानी रायपुर से एक बार फिर शर्मसार कर देने वाली खबर सामने आई है। मुंगेली जिला के पीडब्ल्यूडी विभाग में पदस्थ महिला के साथ रायपुर घूमने के बहाने कार्यालय में ही पदस्थ एक अन्य कर्मचारी ने बलात्कार की घटना को अंजाम दिया है। वहीं घटना की जानकारी पुलिस को देने पर पीडित महिला को जान से मारने की धमकी भी दी है। बताया जाता है कि पीडित महिला व आरोपी पुरुष दोनों ही शादीशुदा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले 1 वर्ष में 3 बार आरोपी ने महिला को रायपुर लाकर दुष्कर्म किया है। मुंगेली पुलिस से शिकायत के बाद जीरो पर एफआईआर कायम की गई है, लेकिन घटना क्षेत्र सफर लॉज गोलबाजार थाना क्षेत्र होने पर गोलबाजार थाना पुलिस ने नम्बरी अपराध कायम किया है। फिलहाल आरोपी को गिरफ्तार करने पुलिस टीम मुंगेली रवाना हो गई है।

समुद्र तल से 3325 फीट ऊंचे ढोलकल के शिखर पर स्थापित हैं श्रीगणेश

दंतेवाड़ा (आरएनएस)। जिले के ढोलकल पहाड़ पर शताब्दियों पुरानी श्रीगणेशजी की प्रतिमा स्थपित है। मध्य भारत में सबसे ऊंचे स्थान पर विराजित हरियाली से ढके पहाड़ों के मध्य ढोलकल पहाड़ के शिखर पर खड़ी चट्टान पर विराजित श्रीगणेशजी की यह दुर्लभ प्रतिमा 19 सितंबर 2012 को देश-दुनिया के सामने आई। प्रथम पूजनीय भगवान गणेश की प्रतिमाएं हर जगह मिल जाती हैं, परंतु बस्तर में समुद्र तल से तीन हजार तीन सौ पच्चासी फीट ऊंचे ढोलकल शिखर पर स्थापित विघ्न विनायक की प्रतिमा मध्य भारत की एकमात्र श्रीगणेश प्रतिमा है, जो इतनी उंचाई पर बचेली वन परिक्षेत्र अंतर्गत कक्ष क्रमांक 712 में विराजित है। यह गणेश मूर्ति दक्षिण भारतीय शैली में, ललितासन मुद्रा में काले चट्टान में उकेरी गई है। श्रीगणेशजी की यह दुर्लभ प्रतिमा 36 इंच ऊंची तथा 19 इंच मोटी है। शिखर चट्टान की आकृति ढोल की तरह है इसलिए इसे ढोलकल या ढोलकट्टा भी कहा जाता है।

ढोलकल श्रीगणेशजी की इस दुर्लभ प्रतिमा के बारे में दक्षिण बस्तर में यह कथा प्रचलित है कि बैलाडीला के नंदीराज शिखर पर महादेव ध्यान करते थे। एक दिन उन्होंने पुत्र विनायक से कहा कि वे ध्यान करने शिखर पर जा रहे हैं। कोई उनकी साधना में विघ्न न डाले। कुछ समय बाद भगवान परशुराम वहां पहुंचे और नंदीराज शिखर की तरफ जाने का प्रयास करते लगे। विनायक ने उन्हें रोका। इससे परशुराम जी कुपित हो गए और फरसा से विनायक पर वार कर दिया। फरसे के वार से विनायक का एक दांत काटते हुए पहाड़ के नीचे जा गिरा, इसलिए विनायक एकदंत कहलाए और पहाड़ के नीचे की बस्ती का नाम फरसपाल पड़ा।

ढोलकल श्रीगणेशजी तक पंहुचने के लिए सबसे पहले ग्राम फरसपाल पंहुचना होगा यहां पंहुचने के लिए छग की राजधानी रायपुर से 384 किमी दूर दंतेवाड़ा में मां दंतेश्वरी शक्तिपीठ है। यहां से 16 किमी दूर फरसपाल गांव है। इस गांव से तीन किमी दूर जामगुड़ा बस्ती है। यहां पहाड़ के नीचे वाहन पार्किंग कर लगभग तीन किमी पैदल चढ़ाई कर ढोलकल शिखर तक पहुंचा जा सकता है। रायपुर, विशाखापट्टनम, हैदराबाद से दंतेवाड़ा के लिए सीधी बस सेवा है। विशाखापट्टनम-जगदलपुर-किरंदूल एक्सप्रेस व पैसेंजर से दंतेवाड़ा पहुंचकर या रायपुर, हैदराबाद वायुयान सेवा से जगदलपुर पहुंचकर टैक्सी से ढोलकल तक पहुंच सकते हैं।

ज़िले के नहरगाँव में, खिला दुर्लभ ब्रह्मकमल, देर रात देखने लोगों का लगा तांता

गरियाबंद (आरएनएस)। ब्रह्म कमल नाम सुनकर ही मन में एक अलग ही सात्विक विचार का संचार हो जाता है।शुक्रवार रात्रि लगभग 11:30 बजे ग्राम नहरगाँव में कृषक नागेंद्र सिन्हा के बाड़ी में ब्रह्म कमल के 3 आकर्षक फूल खिले,इस दुर्लभ ब्रह्मकमल फूल को देखने गाँव सहित शहर के लोगों की भीड़ देर रात तक चलता रहा लोग इस नजारे को देखने के लिए देर रात तक जागते रहे,नागेंद्र सिन्हा ने बताया की उन्होंने ने सोशल मीडिया पर इस फूल को अपने एक मित्र के फ़ेसबुक एकाउंट पर देखा था और साथ ही उनसे सम्पर्क कर उस फूल के कलम को अपने बाड़ी पर लगाया जहां 3 नग ब्रम्ह कमल फूल खिले,बताया जाता है कि ब्रम्ह कमल जब पूर्ण रूप से खिलता है,उस समय वहां पर प्रार्थना किया जाए तो उसकी प्रार्थना अवश्य स्वीकार होती है और मनवांछित फल प्राप्त होता है।कहते हैं कि किसी भी घर में ब्रह्म कमल का खिलना व दर्शन करना दोनों शुभ माने जाते हैं। यह अत्यंत सुंदर चमकते सितारे जैसा आकार लिए मादक सुगंध वाला पुष्प है।ब्रह्म कमल को हिमालयी फूलों का सम्राट भी कहा गया है।ब्रह्म कमल आधी रात के बाद खिलता है इसलिए इसे खिलते देखना स्वप्न समान ही है।यह साल में एक ही बार जुलाई सितंबर के बीच खिलता है और एक ही रात रहता है।ब्रह्म कमल का खिलना देर रात आरंभ होता है तथा दस से ग्यारह बजे तक यह पूरा खिल जाता है।मध्य रात्रि से इसका बंद होना शुरू हो जाता है और सुबह तक यह मुरझा चुका होता है।

ब्रह्म कमल की विशेषता

इस फूल की विशेषता यह है कि जब यह खिलता है तो इसमें ब्रह्म देव तथा त्रिशूल की आकृति बन कर उभर आती है। ब्रह्म कमल न तो खरीदा जाना चाहिए और न ही इसे बेचा जाता है। इस पुष्प को देवताओं का प्रिय पुष्प माना गया है और ब्रह्म कमल में जादुई प्रभाव भी होता है।

कुपोषण दूर करने 30 तक मनाया जाएगा राष्ट्रीय पोषण आहार माह

जगदलपुर (आरएनएस)। केंद्र सरकार द्वारा पोषण आहार के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए राष्ट्रीय पोषण आहार माह चलाया जा रहा है। महिलाओं, किशोरी बालिकाओं और बच्चों के पोषण स्तर की बेहतरी के उद्देश्य से राष्ट्रीय पोषण माह मनाया जा रहा है। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में महिला बाल विकास विभाग के कर्मचारियों एवं जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में लोगों को जागरूक किया जा रहा हैं। बस्तर जिले में कुपोषण एवं एनीमिया में कमी लाने के लिए 30 सितंबर तक राष्ट्रीय पोषण माह मनाया जा रहा है। जिला कार्यक्रम अधिकारी मनोज कुमार सिन्हा ने बताया कि महिला बाल विकास विभाग के साथ चला चलाये जा रहे जन जागरूकता अभियान के तहत कुपोषण को दूर करने के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए 30 सितम्बर तक राष्ट्रीय पोषण माह मनाया जा रहा है। उन्होने बताया कि पोषण माह के दौरान पोषण और स्वास्थ्य को जोड़ते हुए पौधारोपण, पोषण वाटिका निर्माण, योग सत्र के साथ ही कई कार्यक्रम होंगे। नारा लेखन, निबंध, स्लोगन, रंगोली और व्यंजन प्रतियोगिता जैसे विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है।

ड्रेपिंग के आधुनिक तरीकों से खैरागढ़ के कलाकारों ने बनाया फैशन मास्टरपीस साड़ी

❑ स्वर्गीय सोना बाई रजवार आर्ट गैलरी में किया गया प्रदर्शन

रायपुर (आरएनएस)। इंदिरा कला एवं संगीत विश्वविद्यालय के कलाकारों ने छत्तीसगढ़ की पारंपरिक साडिय़ों के साथ ड्रेपिंग के नए तरीके जोडक़र इन्हें फैशन का मास्टर पीस बना दिया है। इसकी झलक छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी कला गैलरी स्व. सोनाबाई रजवार में दिखाई गई है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल आज इसका लोकार्पण करेंगे। इस कला गैलरी की विशेषता है कि यहां क्राफ्ट डिजाइन सेक्शन के संकाय के कलाकारों ने छत्तीसगढ़ में प्रचलित पारंपरिक साडिय़ों और ज्वेलरी के पहनावे के तरीकों में थोड़ा फेरबदल कर और उसे आधुनिक रूप देकर फैशन के क्षेत्र में एक नया प्रयोग किया है। इसमें पारंपरिक सुंदरता और सादगी के साथ ही ड्रेस डिजाइनिंग के क्षेत्र में हो रहे नये प्रयोगों को भी शामिल किया गया है। साड़ी ड्रेपिंग के तरीकों में थोड़ा सा फेरबदल कर और इन्हें एस्थेटिक्स के मानकों के अनुरूप प्रस्तुत कर इन्हें अद्भुत रूप दिया गया है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की मंशानुरूप छत्तीसगढ़ संस्कृति की झलक दिखाने के लिए यह कला वीथिका तैयार की गई है और इसमें बस्तर से लेकर सरगुजा तक के कला के पेंटिंग से लेकर वस्त्र विन्यास आदि के क्षेत्र में हुए नए कलात्मक प्रयोगों को दर्शाया गया है। इसके साथ ही पेंटिंग के क्षेत्र में परंपरागत बस्तर, सरगुजा स्कूल के साथ ही वैश्विक स्तर पर पेंटिंग में आए नए प्रयोगों को भी दर्शाया गया है। इसके साथ ही मूर्तिकला में भी नए प्रयोग किए गए हैं। बस्तर से आई बीएफए आठवें सेमेस्टर में पढ़ रही छात्रा मुस्कान पारीक ने एक बहुत सुंदर चित्र बनाया है जो चटाई पर प्रदर्शित किया गया है। इस चित्र में आदिवासी समुदाय अपनी दैनंदिनी की गतिविधियों में सुकून से लगा हुआ है। केवल एक चित्र बस्तर की संस्कृति को जानने के लिए एक पूरी पुस्तक का कलात्मक रूप है। वेरियर एल्विन की किताबों में जिस तरह से घोटुल के जनजीवन के बारे में जानकारी दी जाती है उसी तरह की पेंटिंग मुस्कान ने बनाई है।

उमेश्वरी वर्मा जो टैक्सटाइल डिजाइन की कलाकार है। उन्होंने स्क्रीन प्रिंटेड कॉटन बेड कवर बनाया है। गैलरी एक तरह से यह बताती है कि किस तरह से छत्तीसगढ़ की लोक कला में बड़ी संभावना है और देश विदेश में भी आधुनिक समय के अनुसार प्रयोग कर इसे बेहतर किया जा सकता है तथा इसकी व्यवसायिक संभावनाओं का लाभ उठाया जा सकता है।विश्वविद्यालय की कुलपति श्रीश्रीमती मोक्षदा चंद्राकर ने बताया कि देशभर में फैशन शो के माध्यम से भी इन कलाकारों की कला का प्रदर्शन किया जाएगा।

एनकेएम स्कूल में मनाया गया राष्ट्रीय खेल दिवस

कोरबा। एनकेएम लायंस पब्लिक स्कूल मड़वारानी में 29 अगस्त को मेजर ध्यानचंद जी के जन्म दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिसमें विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा अनेक क्रीडा स्पर्धा का कार्यक्रम रखा गया साथ ही विद्यालय के हाउस अनुसार अनेक प्रकार के विविध क्रीड़ा प्रदर्शन किए गए।

विद्यालय की प्राचार्या डॉ प्रियंका गुप्ता के नेतृत्व व मार्गदर्शन में विद्यालय के पीटीआई शिक्षक तोमेश यादव ने विविध खेल प्रतियोगिता का आयोजन कराया। कबड्डी प्रतियोगिता में दो हाउस गंगा व ब्रह्मपुत्र में प्रतिस्पर्धा रही जिसमें गंगा हाउस के विद्यार्थियों फाइनल मैच में विजयी हुए। पूरे कार्यक्रम में कमेंटेटर के रूप में विद्यालय के संगीत कमलेश दास वैष्णव ने कमेंट्री किया। कार्यक्रम अत्यंत सराहनीय रहा। इस अवसर पर प्राचार्या ने मेजर ध्यानचंद के जीवनी के बारे मे और उनके उपलब्धियों के बारे में जानकारी प्रदान की। सभी बच्चों ने इसका आनंद प्राप्त किया

बालको परिक्षेत्र पहुंचे हाथियों का झुण्ड, फसलों को किया नुकसान

कोरबा। कटघोरा के बाद अब कोरबा वनमंडल में भी हाथियों की आमद हो गई है। 15 की संख्या में बालको परिक्षेत्र में अचानक पहुंचे हाथियों के झुंड ने बीती रात आते ही उत्पात मचाना शुरू कर दिया। इस दौरान हाथियों ने रेंज के पोड़ीखोहा में किसानों की फसल रौंदी। हाथियों के क्षेत्र में पहुंचने व फसल रौंदे जाने की सूचना पर वन विभाग का अमला आज सुबह मौके पर पहुंचा और हाथियों की निगरानी करने के साथ ही रात में किये गए नुकसानी का आंकलन शुरू कर दिया है। काफी दिनों बाद हाथियों के क्षेत्र में दस्तक देने से ग्रामीणों में दहशत व्याप्त है। उधर कटघोरा वनमंडल के पसान रेंज में 12ए 10 व 3 हाथियों को झुंड अलग.-अलग जगहों पर विचरण कर रहा है। इस झुंड ने भी बीती रात उत्पात मचाते हुए एक पंच समेत तीन ग्रामीणों के घर ढहा दिये। इतना ही नहीं डेढ़ दर्जन से अधिक किसानों की फसल बुरी तरह रौंद दी। जिससे संबंधितों को लाखों रूपए का नुकसान उठाना पड़ा है।

वन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक 12 हाथी पसान रेंज के अड़सरा गांव के जंगल में घूम रहे हैं। रात होते ही ये हाथी गांव के ढोढ़ीपारा पहुंच गए और बस्ती में प्रवेश कर पंच रतनलाल के घर को निशाना बनाते हुए तोड़ दिया। वहीं खेतों में पहुंचकर 10 हेक्टेयर क्षेत्र में लगे अरहरए मक्का व धान की फसल को चौपट कर दिया। हाथियों के उत्पात से गांव के डेढ़ दर्जन अन्नदाता प्रभावित हुए हैं जिन्हें काफी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। हाथियों के गांव में फिर पहुंचने की सूचना मिलते ही बीट गार्ड ईश्वर दास मानिकपुरी अपने साथियों के साथ तत्काल गांव पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से उत्पात मचा रहे हाथियों को खदेडऩे की कार्यवाही की। वन अमला द्वारा खदेड़े जाने पर हाथियों का दल उतरदा नदी को पार कर कलेवानार पहुंच गया जहां 10 हाथियों का झुंड पहले से ही विचरणरत है। 12 हाथी भी नदी पार कर इस झुंड में शामिल हो गए। कलेवानार में मौजूद हाथियों ने उत्पात मचाते हुए दो ग्रामीणों के घर को तोड़ दिया है। तीन दंतैल अमारूतिलोरा, बहरीझोरकी, कलेवा होते हुए तुलबुल गांव पहुंच गए हैं। हालांकि इन हाथियों ने यहां तत्काल कोई नुकसान नहीं पहुंचाया है लेकिन ये दल काफी खतरनाक है जो कभी भी बड़ी घटना को अंजाम दे सकते हैं। इसलिए वन विभाग सतर्क हो गया है और उसके अधिकारी-कर्मचारी लगातार इसकी निगरानी में जुट गए हैं।

मेडिकल सह जनरल स्टोर में आगजनी, लाखों का सामान जलकर खाक

कोरबा। बांगो थाना अंतर्गत चोटिया चौक में स्थित संजय आदित्य मेडिकल एवं सह संजय जनरल स्टोर में आधी रात के लगभग भीषण आगजनी से लाखों का सामान जलकर खाक हो गया। कितने का नुकसान हुआए यह जांच एवं मिलान के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

जानकारी के अनुसार बांगो थाना अंतर्गत चोटिया चौक में कटघोरा निवासी व्यवसायी रमेश गर्ग पिता इतवारी लाल गर्ग आदित्य मेडिकल एवं संजय जनरल स्टोर का संचालन करते हैं। रोजाना की भांति दोनों दुकानों को उनके संचालक समय से बंद करके स्टाफ समेत खाना खाने चले गए। इसी दौरान अचानक आधी रात के लगभग दुकान से जोरदार धुआं और आग की लपटें निकलने लगी। देखते ही देखते जनरल स्टोर एवं मेडिकल स्टोर में भीषण आग लग गई। इसकी जानकारी होने पर फायर ब्रिगेड को भी स्थानीय स्तर पर सूचना उपलब्ध कराई गई जिसके बाद अग्निशमन कर्मी भी वाहन लेकर पहुंचे तथा स्थानीय लोगों की मदद से आग बुझाने में कामयाब हुए लेकिन तब तक लाखों का सामान जलकर खाक हो चुका था। इस आगजनी के संबंध में बांगो थाने की पुलिस से जानकारी चाहने पर उनके द्वारा स्पष्ट रूप से जानकारी दी गई कि आज सुबह से लेकर दोपहर 12 बजे तक उक्त आगजनी के संबंध में किसी तरह जानकारी संबंधित दुकान के संचालक एवं वहां के सरपंच आदि के द्वारा नहीं दी गई है। जानकारी मिलने या रिपोर्ट दर्ज कराए जाने पर इस मामले में आगजनी का मामला दर्ज कर लिया जाएगा। फिलहाल इस घटना की रिपोर्टकर्ता के आने का पुलिस द्वारा इंतजार किया जा रहा है। ज्ञात रहे कि यह घटना शार्ट सर्किट से हुई या किसी विघ्न संतोषी तत्व के द्वारा घटित की गई। इसका खुलासा विस्तृत विवेचना के पश्चात ही हो सकेगा।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईजर श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी ठाकुरे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समस्त उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address :: Behind Stadium Near Career School, Raigarh, C.G. Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

दिव्यांग जनों हेतु सामुदायिक भवन कटघोरा में आयोजित परीक्षण शिविर सम्पन्न

कोरबा। दूर-दराज से दिव्यांग जन आकर अपना मूल्यांकन/परीक्षण करा रहे हैं, दिव्यांग जनों को विकलांगता प्रमाण पत्र व मूल्यांकन/परीक्षण के लिए भटकना न पड़े इस कारण से इस विशेष शिविर का आयोजन किया गया है। उक्त बातें जनपद पंचायत कटघोरा अध्यक्ष लता कंवर ने 2 सितंबर 2022 को सामुदायिक भवन कटघोरा में आयोजित दिव्यांग जनों हेतु मूल्यांकन/परीक्षण शिविर में कहा। लता कंवर ने आगे कहा कि दिव्यांगजनों का मूल्यांकन/परीक्षण हो रहा है जिसके बाद उन्हें आवश्यक उपकरणों का आगामी दिनों में नि: शुल्क वितरण किया जाएगा। मूल्यांकन/परीक्षण शिविर में कटघोरा जनपद पंचायत क्षेत्र, नगर पालिका परिषद द्वय कटघोरा, दीपका व नगर पंचायत छुरीकला के दिव्यांगजन शामिल हुए।

उक्त शिविर में कुल 60 दिव्यांगजनों ने पंजीयन कराया। शिविर में श्रवण बाधित, दृष्टि बाधित, अस्थि बाधित, मुख बधिर, शारीरिक रूप से विकलांग जनों का शिविर स्थल में विशेषज्ञों द्वारा मूल्यांकन/परीक्षण किया गया। 22 आवेदनकर्ता दिव्यांग जनों को शिविर स्थल पर ही विकलांगता प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। उक्त शिविर में अध्यक्ष जनपद पंचायत कटघोरा मा. लता कंवर, जनपद उपाध्यक्ष गोविंद सिंह कंवर, जनपद सदस्य द्वय शत्रुघन सिंह राज, बैशाखू राम यादव, जनपद सीईओ आर एस मिर्झा, समाज कल्याण विभाग से मुकेश दिवाकर, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि कटघोरा मुकेश कंवर, जनपद सदस्य प्रतिनिधि सुरेश कंवर मंचस्थ थे। शिविर में मुख्य रूप से कटघोरा बीएमओ डॉ. रूद्रपाल सिंह कंवर, एन आर एल एम बीपीएम अमरनाथ तारम, विकासखंड समन्वयक प्रधानमंत्री आवास योजना शालिनी कंवर, मधुर सिंह कंवर, मनमोहन चन्द्रा, संतोष पांडेय, वसुंधरा चौहान, किरण पैकरा सहित जनपद पंचायत कटघोरा के अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित थे। अंत मे आभार प्रदर्शन जनपद सीईओ आर एस मिर्झा ने किया।